दिल्ली-अंबाला कॉरिडोर के लिये रेलवे का उन्नयन

चर्चा में क्यों?

दिल्ली-अंबाला रेल कॉरिडोर **पर बढ़ते भार को** देखते हुए **रेल मंत्रालय ने** मौजूदा **दो-ट्रैक प्रणाली को चार-लाइन कॉरिडोर में अपग्रेड करने** की **योजना** बनाई है।

- रेलवे अधिकारियों ने परियोजना के विवरण पर चर्चा करने के लिये **उपायुक्तों की अध्यक्षता** में **पानीपत और सोनीपत में** ज़िला प्रशासन **के अधिकारियों के साथ बैठक की।**

मुख्य बिंदु

- **विस्तार की आवश्यकता:**
  - सोनीपत के उपायुक्त ने बढ़ते रेल भार के कारण दिल्ली-अंबाला रेल कॉरिडोर के विस्तार की तत्काल आवश्यकता पर ज़ोर दिया।
  - वर्तमान दो-ट्रैक प्रणाली अपर्याप्त है, जिसके कारण **रेल मंत्रालय को** दिल्ली से अंबाला तक 193.6 किलोमीटर लंबे कॉरिडोर के विस्तार की योजना बनानी पड़ी है।
- **परियोजना का दायरा और लागत:**
  - इस विस्तार में मार्ग के **32 रेलवे स्टेशनों** पर विकास कार्य शामिल होगा।
  - इस परियोजना की अनुमानित लागत 7,074 करोड़ रुपए है तथा इसे चार वर्षों में पूरा करने का लक्ष्य है।
- **भूमि अधिग्रहण विवरण:**
  - विस्तार के लिये 15 गाँवों की 11 हेक्टेयर भूमि की आवश्यकता है:
  - समालखा खंड में 8 गाँव
  - पानीपत में 7 गाँव
  - प्रशासन **भूस्वामियों को उचित मुआवज़ा सुनिश्चित करेगा।**
- **रेलवे का भूमि प्रस्ताव:**
  - परियोजना के लिये 85 हेक्टेयर भूमि की आवश्यकता है, जिसमें शामिल हैं:
  - 80 हेक्टेयर निजी भूमि
  - 5 हेक्टेयर सरकारी भूमि
  - पूरा होने पर **उन्नत कॉरिडोर** जनता के लिये काफी बेहतर सुविधाएँ प्रदान करेगा।

भारतीय रेल

- भारतीय रेलवे की **स्थापना 1853 में हुई थी** और यह दुनिया के सबसे बड़े रेलवे नेटवर्क में से एक है।
- भारतीय उपमहाद्वीप पर पहला रेलमार्ग **बम्बई से थाणे तक 21 मील की दूरी तक फैला था।**
- **अनुमान है कि 2050 तक कुल वैश्विक रेल गतिविधि में** भारत की हिस्सेदारी 40% होगी।
- भारतीय रेलवे ने आधुनिक रेलवे प्रणाली विकसित करने के लिये **भारत के लिये राष्ट्रीय रेल योजना (NRP)-2030 तैयार की है।**

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/upgradation-of-railways-for-delhi-ambala-corridor